RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

ई-पाठशाला कार्यक्रम

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Class 12th HISTORY

उपनिवेशवाद और देहात

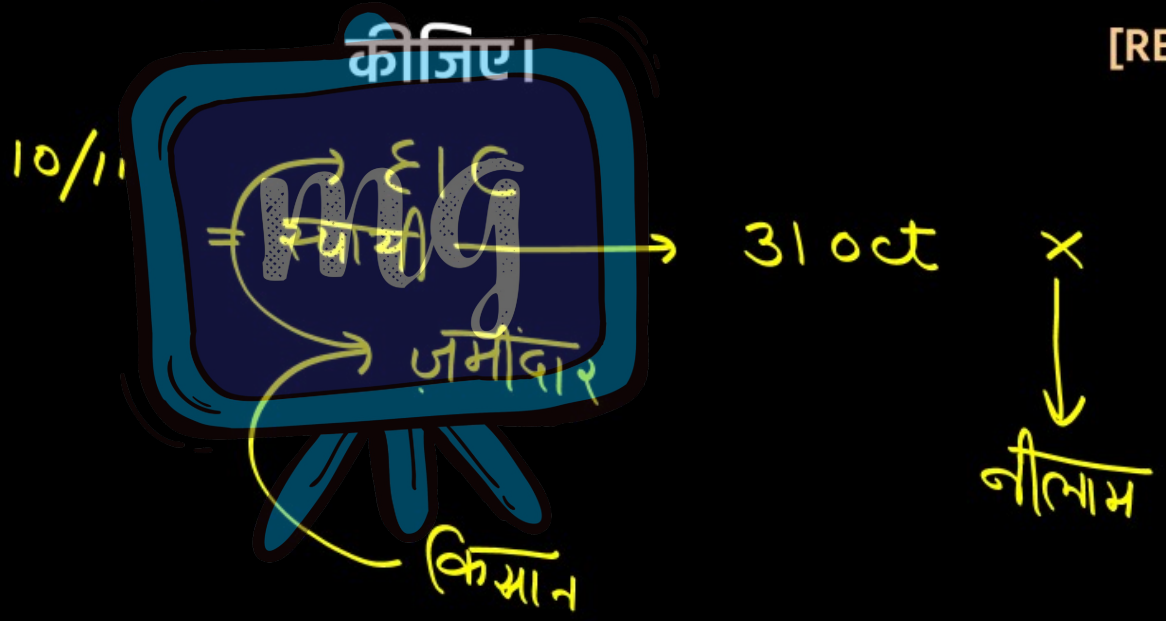
COMPLETE CHAPTER 02

RAPID REVISION



Q.1 सूर्यास्त विधि या सूर्यास्त कानून का परीक्षण कीजिए।

[RBSE–2026]



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 सूर्यास्त विधि या सूर्यास्त कानून का परीक्षण कीजिए। [RBSE–2026]

उत्तर : सूर्यास्त कानून के अनुसार जमींदार को निर्धारित तिथि पर सूर्यास्त होने से पहले कंपनी का राजस्व जमा करना अनिवार्य था। फसल अच्छी हो या खराब, राजस्व समय पर देना पड़ता था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

लघूत्तरात्मक प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

यदि सूर्यास्त तक भुगतान नहीं किया जाता था, तो जमींदार की संपदा नीलाम की जा सकती थी। इस कठोर कानून के कारण अनेक जमींदार अपनी जमींदारियाँ खो बैठे।

Q.2 'जोतदार' व 'रैयत' में अंतर स्पष्ट कीजिए। [RBSE–2025]

महाजन + अमीर रैयत

खुद

दूसरो



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 'जोतदार' व 'रैयत' में अंतर स्पष्ट कीजिए। [RBSE–2025]

आधार	जोतदार	रैयत
आर्थिक स्थिति	धनी और प्रभावशाली किसान	सामान्य छोटे या बड़े किसान
भूमि	हजारों एकड़ भूमि हो सकती थी	सीमित भूमि पर खेती करते थे
व्यवसाय	खेती के साथ व्यापार और साहूकारी	मुख्य रूप से कृषि
प्रभाव	गरीब किसानों पर नियंत्रण रखते थे	जमींदार या जोतदार पर निर्भर रहते थे
लगान	भुगतान में जानबूझकर देरी कर सकते थे	जमींदार को लगान देते थे

लघूत्तरात्मक प्रश्न

जोतदार अन्य रैयतों को ऋण भी देते थे, जबकि रैयत अपनी कुछ भूमि स्वयं जोतते और शेष भूमि शिकमी रैयतों को पट्टे पर दे सकते थे।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट इतिहासकारों को किस प्रकार की सामग्री उपलब्ध कराती है?

[RBSE–2024]



Q.3 दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट इतिहासकारों को किस प्रकार की सामग्री उपलब्ध कराती है?

[RBSE–2024]

उत्तर :

दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट इतिहासकारों को निम्नलिखित सामग्री उपलब्ध कराती है–

1. रैयतों और साहूकारों के बयान।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

2. दंगों के चश्मदीद गवाहों के विवरण।
3. राजस्व की दरों से संबंधित आँकड़े।
4. कृषि-उपज की कीमतों और ब्याज-दरों की जानकारी।
5. ज़िला कलेक्टरों द्वारा भेजी गई रिपोर्टें।
6. किसानों की अर्जियाँ और ऋण-संबंधी दस्तावेज।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

यह एक सरकारी स्रोत है, इसलिए इसकी जानकारी की अन्य स्रोतों से जाँच करना आवश्यक है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 'उपनिवेशवाद और देहात' नामक अध्याय में कुदाल और हल से क्या आशय है?

[RBSE–2024]



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 'उपनिवेशवाद और देहात' नामक अध्याय में कुदाल और हल से क्या आशय है?

[RBSE–2024]

उत्तर :

कुदाल : पहाड़िया लोगों की झूम खेती, जंगल-आधारित जीवन और परम्परागत कृषि-पद्धति का प्रतीक है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

- **हल :** संथालों की स्थायी कृषि, जंगलों की सफाई और कृषि-क्षेत्र के विस्तार का प्रतीक है।

इस प्रकार कुदाल और हल का संघर्ष पहाड़िया और संथाल लोगों की अलग-अलग जीवन-पद्धतियों के बीच संघर्ष को दर्शाता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 इस्तमरारी बंदोबस्त के संबंध में 'सूर्यास्त कानून' क्या था? [RBSE–2023]



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 इस्तमरारी बंदोबस्त के संबंध में 'सूर्यास्त कानून' क्या था? [RBSE–2023]

उत्तर : सूर्यास्त कानून के अनुसार जमींदार को निर्धारित तिथि पर सूर्यास्त से पहले कंपनी को राजस्व का भुगतान करना होता था। यदि सूर्यास्त तक भुगतान प्राप्त नहीं होता था, तो उसकी जमींदारी नीलाम की जा सकती थी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.6 संथाल विद्रोह के कोई दो कारण लिखिए।

[RBSE–2023]



Q.6 संथाल विद्रोह के कोई दो कारण लिखिए।

[RBSE–2023]

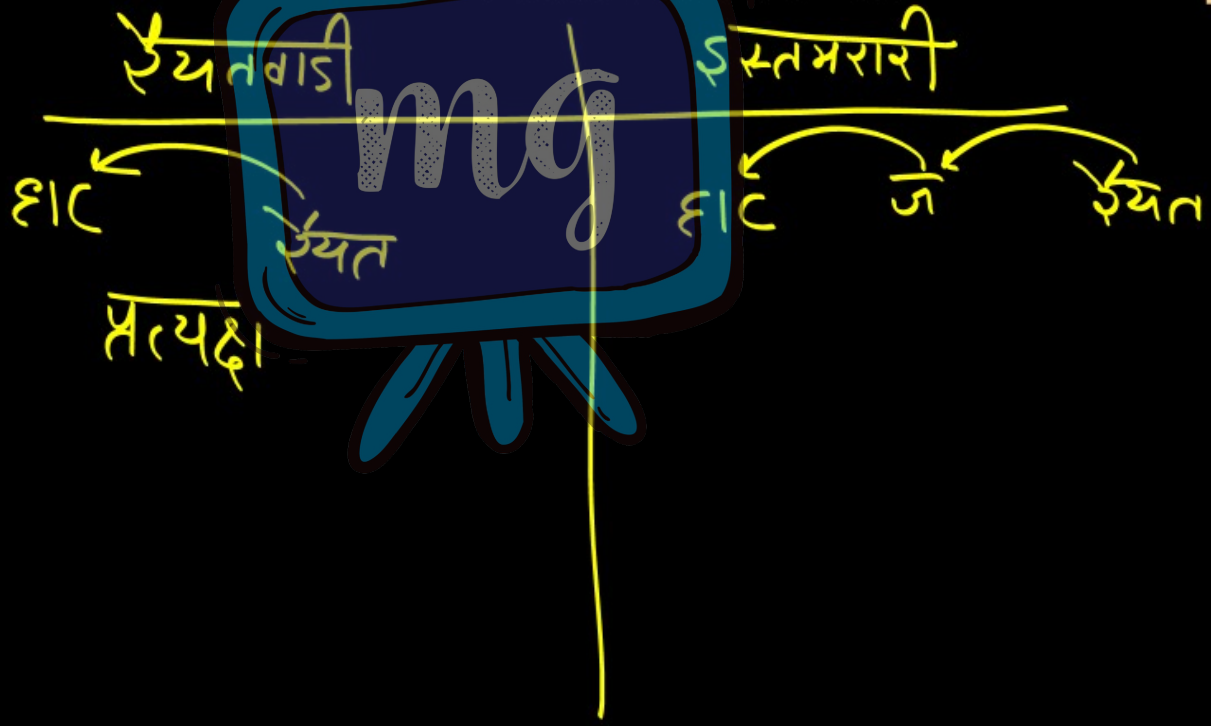
उत्तर :

1. संथालों द्वारा साफ़ की गई और खेती योग्य बनाई गई भूमि पर सरकार भारी कर लगा रही थी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

2. साहूकार बहुत ऊँची ब्याज-दर वसूल करते और ऋण न चुकाने पर संथालों की भूमि पर अधिकार कर लेते थे।
3. जमींदार दामिन-इ-कोह क्षेत्र पर अपना नियंत्रण स्थापित करना चाहते थे।
4. संथाल जमींदारों, साहूकारों और औपनिवेशिक शासन के शोषण से मुक्ति चाहते थे।

Q.7 रैयतवाड़ी व्यवस्था इस्तमरारी बंदोबस्त से किस प्रकार भिन्न थी? [RBSE–2022]



लघूत्तरात्मक प्रश्न

उत्तर :

आधार	इस्तमरारी बंदोबस्त	रैयतवाड़ी व्यवस्था
समझौता	जमींदार के साथ	सीधे रैयत के साथ
क्षेत्र	मुख्यतः बंगाल	बम्बई दक्कन
राजस्व	स्थायी रूप से निश्चित	समय-समय पर संशोधित
सर्वेक्षण	राजस्व माँग चिरस्थायी थी	प्रत्येक 30 वर्ष बाद सर्वेक्षण
भुगतान	जमींदार कंपनी को देता था	किसान सीधे सरकार को देता था

लघूत्तरात्मक प्रश्न

रैयतवाड़ी व्यवस्था में भूमि की औसत आय और किसान की भुगतान-क्षमता के आधार पर राजस्व निर्धारित किया जाता था।



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.8 संथाल विद्रोह के क्या कारण थे?

[RBSE–2023]



Q.8 संथाल विद्रोह के क्या कारण थे?

[RBSE–2023]

उत्तर :

संथाल विद्रोह के प्रमुख कारण निम्नलिखित थे–

1. संथालों द्वारा साफ की गई भूमि पर सरकार भारी कर लगा रही थी।
2. साहूकार बहुत ऊँची ब्याज-दर पर ऋण देते थे।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

3. ऋण न चुकाने पर साहूकार उनकी जमीन पर कब्जा कर लेते थे।
4. जमींदार दामिन-इ-कोह पर अपना अधिकार स्थापित करना चाहते थे।
5. संथालों की भूमि धीरे-धीरे उनके हाथ से निकल रही थी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

6. वे साहूकारों, जमींदारों और औपनिवेशिक शासन के शोषण से मुक्त होकर अपना शासन स्थापित करना चाहते थे। इन्हीं परिस्थितियों के कारण 1855–56 में संथालों ने विद्रोह किया।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.9 इस्तमरारी बंदोबस्त के बाद राजस्व राशि के भुगतान में ज़मींदार क्यों चूक करते थे? समझाइए। [RBSE–2023]



10/11

Q.9 इस्तमरारी बंदोबस्त के बाद राजस्व राशि के भुगतान में जमींदार क्यों चूक करते थे? समझाइए। [RBSE–2023]



उत्तर :

1. कंपनी ने प्रारम्भिक राजस्व माँग बहुत ऊँची निर्धारित की थी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

2. 1790 के दशक में कृषि-उपज की कीमतें बहुत कम थीं।
3. किसान जमींदारों को समय पर लगान नहीं चुका पाते थे।
4. अच्छी या खराब फसल होने पर भी निश्चित समय पर राजस्व देना अनिवार्य था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

5. सूर्यास्त कानून के अनुसार निश्चित दिन सूर्यास्त तक भुगतान न होने पर जमींदारी नीलाम हो सकती थी।
6. जोतदार और धनी रैयत भी जानबूझकर भुगतान में देरी करते थे।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.10 ईस्ट इंडिया कम्पनी के एजेंट के रूप में बुकानन की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

[Model Paper–2025]



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.10 ईस्ट इंडिया कम्पनी के एजेंट के रूप में बुकानन की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

[Model Paper–2025]

उत्तर :

1. बुकानन ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का कर्मचारी था।
2. उसकी यात्राओं का खर्च कंपनी द्वारा दिया जाता था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

3. उसे क्या देखना, खोजना और लिखना है, इसके स्पष्ट निर्देश दिए जाते थे।

4. उसने भूमि, चट्टानों, खनिजों, वनस्पतियों और राजस्व-स्त्रोतों का सर्वेक्षण किया।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

5. वह संसाधनों के व्यावसायिक उपयोग और जंगलों को कृषि भूमि में बदलने की संभावनाएँ खोजता था।

6. इसलिए स्थानीय लोग उसे सरकार के एजेंट के रूप में देखते थे।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.11 'दामिन-ए-कोह' क्या था? [Model Paper–2024]



Q.11 'दामिन-ए-कोह' क्या था? [Model Paper–2024]

उत्तर : सन् 1832 तक राजमहल की तलहटी में सीमांकित किए गए एक बड़े क्षेत्र को दामिन-इ-कोह कहा गया। इसे संथालों की भूमि घोषित किया गया था। संथालों को यहाँ बसकर हल चलाना, स्थायी कृषि करना और दस वर्षों के भीतर भूमि के कम-से-कम दसवें भाग को साफ करके जोतना था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.12 रैयतवाड़ी व्यवस्था किसे कहा जाता था?

[Model Paper–2024]



Q.12 रैयतवाड़ी व्यवस्था किसे कहा जाता था?

उत्तर : बम्बई दक्कन में लागू उस भू-राजस्व व्यवस्था को रैयतवाड़ी व्यवस्था कहा गया जिसमें सरकार सीधे रैयत अर्थात् किसान के साथ राजस्व निर्धारित करती थी। भूमि की औसत आय और किसान की भुगतान क्षमता का आकलन किया जाता था। प्रत्येक 30 वर्ष बाद भूमि का पुनः सर्वेक्षण करके राजस्व-दर बढ़ाई जा सकती थी।

[Model Paper–2024]

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.13 1813 ई. में ब्रिटिश संसद में पेश 'पाँचवीं रिपोर्ट' क्या थी? [Model Paper–2023]



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.13 1813 ई. में ब्रिटिश संसद में पेश 'पाँचवीं रिपोर्ट' क्या थी? [Model Paper–2023]

उत्तर : पाँचवीं रिपोर्ट भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रशासन और क्रियाकलापों के विषय में तैयार की गई रिपोर्ट थी। इसे एक प्रवर समिति ने तैयार किया और 1813 में ब्रिटिश संसद में प्रस्तुत किया।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

इसमें जमींदारों तथा रैयतों की अर्जियाँ, कलेक्टरों की रिपोर्टें, राजस्व-संबंधी आँकड़े और प्रशासनिक टिप्पणियाँ सम्मिलित थीं।



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.14 उपनिवेशकाल में 'कुदाल' व 'हल' से क्या तात्पर्य है?

[Model Paper–2023]



Q.14 उपनिवेशकाल में 'कुदाल' व 'हल' से क्या तात्पर्य है? [Model Paper–2023]

उत्तर :

कुदाल : पहाड़िया लोगों की झूम खेती, जंगल-आधारित जीवन और परम्परागत जीवन-पद्धति का प्रतीक थी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

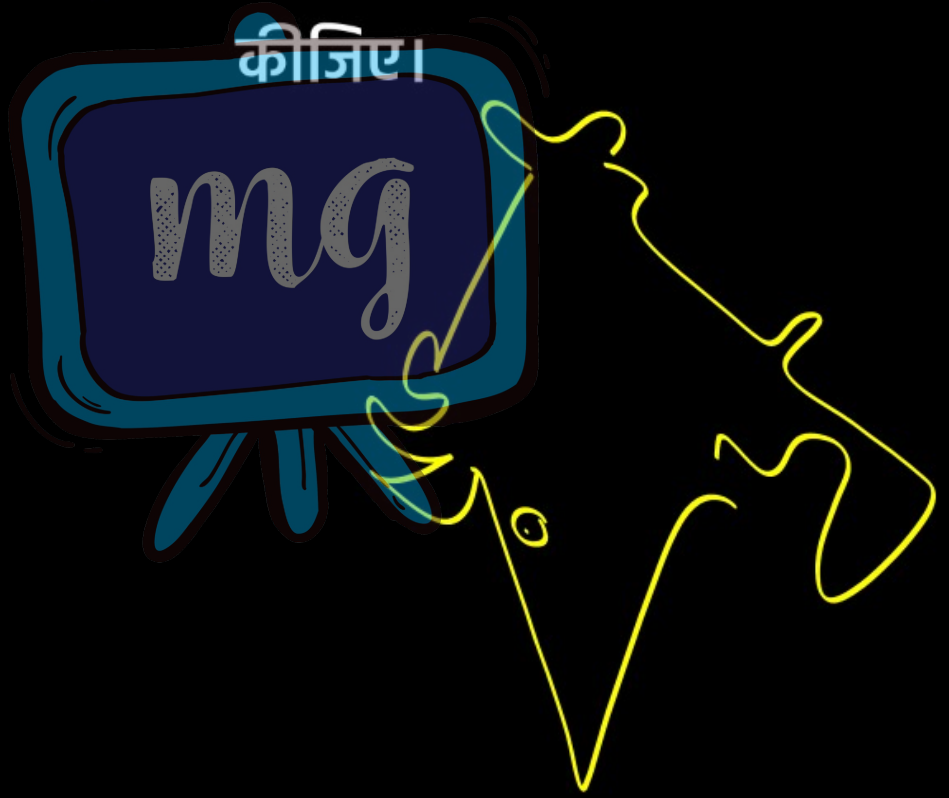
- **हल :** संथालों, स्थायी खेती, जंगलों की सफाई और कृषि-क्षेत्र के विस्तार का प्रतीक था।

कुदाल और हल का संघर्ष पहाड़िया तथा नए संथाल बाशिंदों की अलग-अलग जीवन-पद्धतियों के संघर्ष को दर्शाता है।

मानचित्र संबंधी प्रश्न

Q.1 भारत के रेखा-मानचित्र में पुणा को अंकित कीजिए।

[RBSE–2026]



मानचित्र संबंधी प्रश्न

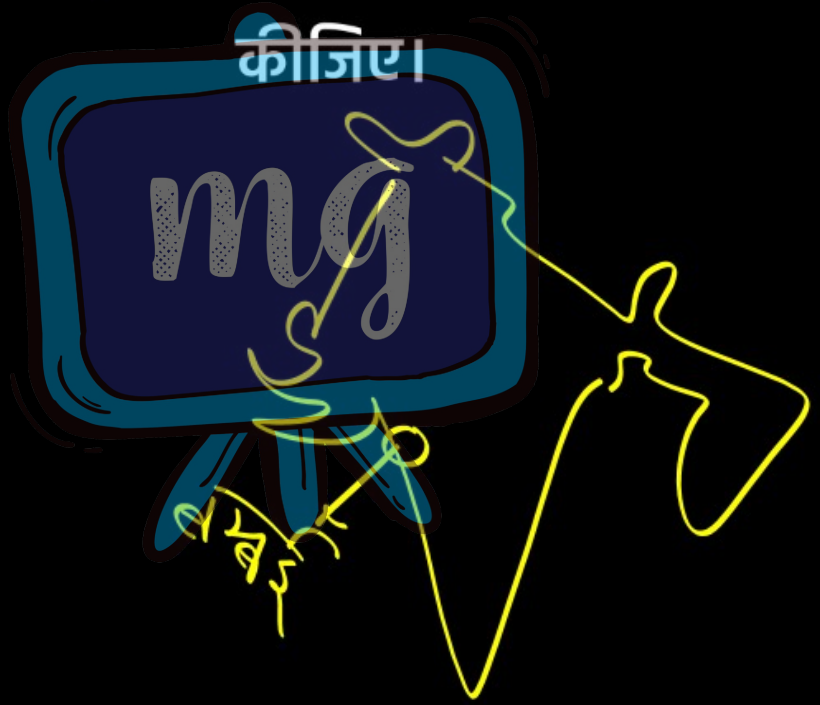
Q.1 भारत के रेखा-मानचित्र में पुणा को अंकित कीजिए। [RBSE–2026]

उत्तर : पुणा वर्तमान पुणे दक्कन किसान विद्रोह का प्रमुख क्षेत्र था। सन् 1875 का आंदोलन पुणा जिले के सूपा गाँव से प्रारम्भ हुआ था।

मानचित्र संबंधी प्रश्न

Q.2 भारत के रेखा-मानचित्र में बम्बई को अंकित कीजिए।

[RBSE–2023]



मानचित्र संबंधी प्रश्न

Q.2 भारत के रेखा-मानचित्र में बम्बई को अंकित कीजिए। [RBSE–2023]

उत्तर : बम्बई वर्तमान मुंबई दक्कन की कपास के व्यापार और निर्यात का प्रमुख केंद्र था। अमेरिकी गृहयुद्ध के दौरान बम्बई के व्यापारियों ने कपास उत्पादक जिलों में अग्रिम धन उपलब्ध कराया था।

मानचित्र संबंधी प्रश्न

Q.3 भारत के रेखा-मानचित्र में बम्बई को अंकित कीजिए।

[Model Paper–2025]



मानचित्र संबंधी प्रश्न

Q.3 भारत के रेखा-मानचित्र में बम्बई को अंकित कीजिए। [Model Paper–2025]

उत्तर : भारत के पश्चिमी तट पर वर्तमान महाराष्ट्र में बम्बई-वर्तमान मुंबई को अंकित कीजिए। यह बम्बई दक्कन के कपास व्यापार और निर्यात का प्रमुख केन्द्र था।

मानचित्र संबंधी प्रश्न

Q.4 भारत के रेखा-मानचित्र में पूना को अंकित कीजिए।

[Model Paper–2023]



मानचित्र संबंधी प्रश्न

Q.4 भारत के रेखा-मानचित्र में पूना को अंकित कीजिए। [Model Paper–2023]

उत्तर : वर्तमान पुणे को महाराष्ट्र में अंकित कीजिए। सन् 1875 का दक्कन किसान विद्रोह पूना जिले के सूपा गाँव से प्रारम्भ हुआ था।

बंगाल	दक्कन	राजमहल
1. इस्तमरारी	दक्कन दंगे।	पहाड़ियो
2. सूर्यअस्त कानून	1861 गृह युद्ध	ब्रुकानन
3. फर्जी खरीदारी	कपास	संथाल
4. जोतदार	दक्कन दंगा	विद्रोह.
5. रैयत	आयोग।	
6. ज़मीदार बयाना		
7. 5th रिपोर्ट		

RIICO GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER